भूमिका नाटक का आलेख : सुनना

समय (15 मि.)

प्रशिक्षणार्थीयों को भूमिका नाटक की पार्श्वभूमि बताये तथा पात्र परिचय करायें। भूमिका नाटक मे आशा है तथा वीना माँ है। वीना ने उसके बीमार बेटी को उपचार के लिये आशा के पास लाया है। आशा अच्छे श्रोता को दर्शाती है।

आशा : नमस्ते, वीना

वीना : नमस्ते, मैं अपनी 2 महीने की बच्ची मोनी को लायी हूँ। मुझे ऐसा लग रहा है कि इसे बुखार है। वह बहुत रो रही है।

आशा : (नजर मिलाकर बात करती है, बीच–बीच में सिर हिलाती है) मुझे अच्छा लगा कि तुम आयी तो। उसे कब से बुखार हो रहा है ? क्या उसकी साँस तेज चल रही है? क्या इसे दौरे भी पड़े थे ? (नजर मिलाना, सिर हिलाना)

वीना : ये आज सुबह से बीमार लग रही है। इसकी साँस तो तेज नहीं चल रही पर लगता है कि इसे दौरा पड़ा था।

आशा : तुम्हें कैसे पता लगा कि इसे दौरा पड़ा ?

वीना : दौरा पड़ने के थोड़ी देर बाद इसका शरीर थोड़ी देर के लिये ऐंठ गया था। फिर यह ठीक हो गयी और रोने लगी। मैं तो बहुत डर गई थी।

आशा : हूँ (इससे लगता है कि वह सुन रही है)। हाँ भई, ऐसे में डर तो लगता ही है कि कहीं बच्चों को कुछ हो न जाये। तुम्हारी जगह मैं होती तो मेरा भी यही हाल होता (उसकी भावनाओं की कद्र करके अपनापन दिखाना)। लेकिन चिंता मत करो। यह तो अच्छा हुआ कि तुम तुरंत ही इसे मेरे पास ले आयी (प्रशंसा की)। तुम्हारी बातों से लग रहा है कि बच्ची को कुछ घंटे बुखार रहा और फिर कुछ समय के लिये उसे दौरा पड़ा (सारांश में बताना)।

वीना : (सिर हिलाती है)

आशा : मेरे कुछ और प्रश्नों का जवाब दो। फिर मैं इसके शरीर का तापमान लूँगी और जाँच करूँगी .....।